भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4462

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है

तमिलनाडु के ताप-विद्युत संयंत्रों को कोयले का आवंटन

4462. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियनः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अप्रैल 2024 और जुलाई 2025 के बीच तमिलनाडु के प्रत्येक ताप-विद्युत संयंत्र में कोयला आवंटन, प्रेषण और स्टॉक के स्तर की स्थिति क्या है;

(ख) तमिलनाडु पावर जेनेरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनपीजीसीएल) द्वारा विद्युत संयंत्रों तक कोयले का निर्बाध परिवहन सुनिश्चित करने के लिए रेल रेक जैसे अतिरिक्त संभार तंत्र संबंधी सहायता हेतु किए गए अनुरोध पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) तमिलनाडु द्वारा कोयला आवंटन के समायोजन या कोयले की गुणवत्ता में सुधार हेतु किए गए अनुरोध पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) गत वर्ष के दौरान आयात किए गए और स्वदेशी कोयले की गुणवत्ता के सिलसिले में तमिलनाडु के सामने आई समस्याओं का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : अप्रैल, 2024 और जुलाई, 2025 के बीच कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) से तमिलनाडु स्थित ताप विद्युत संयंत्रों को दीर्घ/मध्यम अवधि के ईंधन आपूर्ति समझौते के तहत वार्षिक अनुबंधित मात्रा (एसीक्यू) के लिए कोयला प्रेषण की स्थिति और इन प्रत्येक विद्युत संयंत्रों में कोयला भंडार निम्नानुसार है:

[आंकड़े मिलियन टन में]

विद्युत संयंत्र का नाम	2024-25			2025-26 (जुलाई, 2025 तक)		
	एसीक्यू	प्रेषण	31.03.2024 को कोयले का क्लोजिंग स्टॉक	एसीक्यू (यथानुपात आधार)	प्रेषण	31.07.2025 को कोयले का क्लोजिंग स्टॉक
टैनजेडको/तमिलनाडु विद्युत उत्पादन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनपीजीसीएल)	18.600	18.960	0.932	6.010	4.970	1.021
एनटीईसीएल वल्लूर	6.870	6.400	0.595	2.220	2.020	0.783

अप्रैल, 2024 और जुलाई, 2025 की अवधि के बीच सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से तमिलनाडु स्थित केंद्रीय/राज्य टीपीपी को कोयला प्रेषण की स्थिति और इन प्रत्येक विद्युत संयंत्रों में कोयला भंडार निम्नानुसार है:

[आंकड़े मिलियन टन में]

विद्युत संयंत्र का नाम	2024-25			2025-26 (जुलाई, 2025 तक		
	एसीक्यू	प्रेषण	31.03.2024 को कोयले का क्लोजिंग स्टॉक	एसीक्यू (यथानुपात आधार)	प्रेषण	31.07.2024 तक कोयले का क्लोजिंग स्टॉक
उत्तर चेन्नई टीपीएस (एनसीटीपीएस) चरण- III	1.971	0.537	0.364	0.637	0.270	0.291

एनटीईसीएल	-	0.344*	0.595	-	-	0.783
एमटीपीएस I और II	-	1.828*	0.391	-	-	0.347

*समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रयास आधार पर कोयले की आपूर्ति.

टेनजेडको/टीएनपीजीसीएल के उपुर सुपर क्रिटिकल टीपीपी (2x800 मे.वा.), उडनगुडी चरण-I (2x600 मे.वा.), एन्नौर एसईजेड (2x660 मे.वा.) की संस्थापित क्षमता के 50% और टीएनपीजीसीएल के एन्नौर टीपीएस विस्तार (1x660 मे.वा.) को विकसित करने के लिए कोयला लिंकेज प्रदान किए गए हैं।

(ख) : टीएनपीजीसीएल सहित विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति करना एक सतत प्रक्रिया है। कोयले की आपूर्ति की निरंतर निगरानी कोयला कंपनियों, विद्युत कंपनियों तथा विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, रेल मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), सीआईएल तथा एससीसीएल के प्रतिनिधियों वाले एक अंतर-मंत्रालयी उप-समूह द्वारा की जाती है, जो ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रचालनात्मक निर्णय लेने हेतु नियमित रूप से बैठकें करता है। उप-समूह समिति की बैठकों में टीएनपीजीसीएल सहित विद्युत संयंत्रों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जाता है। आवश्यकता और कोयला भंडार की स्थिति के आधार पर इस उप-समूह द्वारा रेकों के आबंटन की सिफारिश की जाती है। यह उप-समूह आपूर्ति निरंतरता बनाए रखने के लिए रेक आवंटन और आवाजाही की बारीकी से निगरानी करता है। रेलवे के सहयोग से कोयला कंपनियों और उप-समूह द्वारा संभारतंत्रीय कार्रवाई के माध्यम से, टीएनपीजीसीएल के विद्युत संयंत्रों को पर्याप्त रेलवे रेकों का आवंटन और कोयला खानों से इसके विद्युत संयंत्रों तक कोयले की तीव्र आवाजाही सुनिश्चित होती है, जिससे ट्रांजिट में कम देरी होती है और संयंत्र का स्थिर संचालन सुनिश्चित होता है।

(ग) और (घ) : कोयला आवंटन समायोजन के संबंध में, टीएनपीजीसीएल एन्नोर टीपीएस विस्तार (1 x 660 मे.वा.) की संस्थापित क्षमता के 50% के लिए पूर्व में प्रदान किए गए कोयला लिंकेज को टीएनपीजीसीएल द्वारा सरेंडर कर दिया गया है। इसके अलावा, टीएनपीजीसीएल के अनुरोध और विद्युत मंत्रालय की सिफारिश पर टीएनपीजीसीएल के एन्नौर टीपीएस विस्तार (1x660 मे.वा.) को विकसित करने के लिए 660 मे.वा. की संपूर्ण क्षमता हेतु अब तमिलनाडु राज्य को कोयला लिंकेज निर्धारित किया गया है।

जहां तक घरेलू कोयले की गुणवत्ता का संबंध है, टीएनपीजीसीएल ने घरेलू कोयले में राख सामग्री की अधिक प्रतिशतता का मुद्दा उठाया था जबकि आयातित कोयले के लिए टीएनपीजीसीएल को गुणवत्ता संबंधी किसी मुद्दे का सामना नहीं करना पड़ा है। घरेलू कोयले में गुणवत्ता संबंधी मुद्दों का समाधान करने के लिए कोयला कंपनियां ग्राहक की संतुष्टि बढ़ाने के लिए गुणवत्ता प्रबंधन पर विशेष बल देती हैं। कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में कोयला कंपनियों द्वारा निम्नलिखित उपाय भी किए गए हैं -

(i) कोयला कंपनियों द्वारा आपूर्ति किए गए कोयले की गुणवत्ता के संबंध में कोयला उपभोक्ताओं की चिंताओं को दूर करने के लिए, कोयला मंत्रालय द्वारा दिनांक 26.11.2015 को लोडिंग एंड पर कोयले की थर्ड पार्टी सैंपलिंग और विश्लेषण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी। लोडिंग एंड पर कोयले की सैंपलिंग स्वतंत्र थर्ड पार्टी सैंपलिंग एजेंसियों (टीपीएसए) के माध्यम से की जाती है। उपभोक्ता किसी भी सूचीबद्ध एजेंसी को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।

(ii) बेहतर कोयला सम्मिश्रण, 100 मिमी से कम वाले कोयले के प्रेषण तथा कोयले की गुणवत्ता की निरंतरता बनाए रखने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा त्वरित लोडिंग प्रणालियों से सुसज्जित फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

(iii) उपभोक्ता शिकायत निवारण - उपभोक्ता शिकायत पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सभी गुणवत्ता संबंधी शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाता है।

कोयले की घोषित गुणवत्ता की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर निरंतर जोर देने जाने के कारण कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्ति किए गए कोयले की समग्र अंतिम ग्रेड अनुरूपता (निर्णायक परिणामों सहित) वित्त वर्ष 2015-16 में 62% से निरंतर रूप से बढ़ते हुए वित्त वर्ष 2025-26 (दिनांक 30.06.2025 तक) में 85% हो गई है।

*****